इकाई - 1

(अ) पल्लवन की परिभाषा लिखते हुए पल्लवन विधि का सविस्तार वर्णन कीजिए।**अथवा** मासिक शिक्षण शुल्क में छूट प्राप्त करने के लिए प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिए।

(ब) अनुवाद की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। **अथवा** स्त्रोत और लक्ष्य भाषा में अंतर बताइए।

इकाई - 2

(अ) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(i) कान भरना (ii) ईद का चाँद (iii) आस्तीन का साँप (iv) कान खड़े होना

(ब) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए :

(i) शत्रु मैदान में दौड़ खड़ा हुआ। (ii) श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं।

(iii) साहित्य और जीवन का घोर सम्बन्ध है।(iv) आटा पिसाना भी कोई काम है क्या ?

(स) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :

(i) ईश्वर (ii) पुत्र (iii) रात्रि (iv) आकाश

(द) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

(i) सफलता (ii) विस्तृत (iii) विजय

इकाई - 3

देवनागरी लिपि की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **अथवा** मानक और अमानक हिन्दी से आप क्या समझते हैं ? मानक हिन्दी के मुख्य लक्षणों का वर्णन कीजिए।

इकाई - 4

(अ) भाषा से कम्प्यूटर की क्या अपेक्षाएँ हैं ? a2zSubjects.com **अथवा** सूचना प्रौद्योगिकी के घटकों पर प्रकाश डालिए।

(ब) अंग्रेजी के निम्नलिखित पदनामों के हिन्दी पदनाम लिखिए (कोई पाँच) :

(i) University (ii) Tourism (iii) Peon (iv) Governor

(v) Arbitrator (vi) Court (vii) Doctor (viii) Professor

इकाई - 5

(अ) संक्षेपण के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। **अथवा** संक्षेपण में जिन बातों से बचना चाहिए, उनका उल्लेख कीजिए।

(ब) निम्नलिखित गद्यांश की संक्षेपिका लिखिए एवं उपयुक्त शीर्षक दीजिए :

गुरु से ज्ञान प्राप्त करने के लिए तीन उपाय हैं - नम्रता, जिज्ञासा और सेवा। इनमें नम्रता का स्थान प्रथम है। अतः एक आदर्श विद्यार्थी को विनम्र होना चाहिए। नम्रता के साथ-साथ उसे अनुशासनप्रिय भी होना चाहिए। जो विद्यार्थी अनुशासनहीन होते हैं, वे

a2zSubjects.com

अपने देश, अपनी जाति, अपने माता-पिता, अपने गुरुजन और अपने शिक्षण-संस्थान के लिए अप्रतिष्ठाकारक होते हैं।

अनुशासनहीन छात्र का न तो मानसिक विकास होता है और न बौद्धिक ही, वह उन गुणों से सदैव-सदैव के लिए वंचित हो जाता है जो मनुष्य को प्रतिष्ठा के पद पर आसीन करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अनुशासन का विशेष महत्व है। अनुशासित छात्र ही आदर्श विद्यार्थी की श्रेणी में आ सकता है। आज का छात्र अनुशासनहीनता दिखाने में अपना गौरव समझता है। इसी का एक परिणाम यह है कि देश में अराजकता और अफरातफरी का माहौल है और देश का युवा सभ्यता के पारम्परिक मूल्यों को भूलने लगा है।

a2zSubjects.com